Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 22 , 12 अक्टुबर, गुरुवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्प्लेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

बैन पर फैसले में बदलाव की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में अपील

नयी दिल्ली। दिल्ली—एनसीआर में पटाखों की बिक्री पर रोक के नौ अक्तूबर को दिए गए फैसले में बदलाव की मांग को लेकर व्यवसायियों का एक समूह आज सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। उक्त फैसले में पटाखों की बिक्री पर एक नवंबर तक रोक लगा दी गई थी। व्यवसायियों ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि 12 सितंबर को दिए गए फैसले के मद्देनजर उनके लाइसेंस बहाल हो गए थे और उन्होंने दिवाली के दौरान बिक्री के लिए पटाखों की खरीद कर ली थी।

बैन को हटाने की मांग

न्यायमूर्ति रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति एएम सप्रे और न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा की पीठ ने उनकी अंतरिम याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए रखते हुए व्यवसायियों के वकील को आश्वासन दिया कि वह आदेश पारित करने वाले संबद्ध न्यायाधीश से इस बारे में विमर्श करेंगे। व्यवसायी राजेश कालिया और अन्य की ओर से पेश वकील दीपक चौहान ने कहा कि व्यवसायियों ने लाइसेंस बहाल होने के बाद इसमें बड़ी राशि का निवेश किया, ऐसे में शीर्ष अदालत के हालिया आदेश से उन्हें बहुत अधिक नुकसान उठाना पड़ेगा। शीर्ष अदालत ने पटाखों की बिक्री पर एक नवंबर तक रोक लगाते हुए कहा था कि रोक को अस्थायी तौर पर हटाने वाला और पटाखों की बिक्री की मंजूरी देने वाला 12 सितंबर का उसका आदेश एक नवंबर से प्रभावी होगा।व्यापारियों ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि उन्हें पटाखों की बिक्री की मंजूरी मिलनी चाहिए।

नाइजीरियन की पिटाई मामले में चार और गिरफ्तार

नई दिल्ली। चोरी के आरोप में पकड़े गए नाईजीरियन की बेरहमी से पिटाई के मामले में मालवीयनगर थाना पुलिस ने चार और लोगों को गिरफ्तार किया है। चारों लोगों को मारपीट के वायरल वीडियो के आधार पर पकड़ा गया है। पुलिस के मुताबिक पूरे मामले की जांच नए सिरे से की जा रही है। पुलिस ने जेल में बंद नाइजीरियन के भी बयान दर्ज किए हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक लापरवाही का आरोप सिद्ध होने पर केस के जांच अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सोमवार को मालवीय नगर में चोरी करते समय पकड़े गए एक नाइजीरियन को खम्भे से बांधकर बेरहमी से पीटे जाने का वीडियो वायरल हुआ था। 24 सितम्बर की सुबह तड़के एक नाइजीरियन सावत्री नगर के एक घर में चोरी की नीयत से घुसा था। आरोपी को रंगे हाथ पकड़कर लोगों ने उसे बुरी तरह डंडे से मारा–पीटा। चोरी करने के लिए नाईजीरियन जिस घर में घुसा था, उस घर के लोगों की शिकायत पर पुलिस ने गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया था। इस बीच सोशल मीडिया पर बेरहमी से नाईजीरियन की पिटाई वीडियो वायरल होन पर पुलिस ने गृहस्वामी कृष्ण कुमार को धर दबोचा था। मंगलवार को इस मामले में कथित तौर पर पिटाई करने वाले संजय उर्फ मोंटू, कमलकांत, महावीर व मुकेश को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि मामले की जांच नए सिरे से की जा रही है, जबकि जांच अधिकारी की लापरवाही सामने आने पर उसके खिलाफ कारवाई की जाएगी। यदि इस केस में जरूरत हुई तब बंद नाईजीरियन को भी कोर्ट की अनुमति से रिमांड पर लिया जाएगा।

विदेशी महिला से बलात्कार के दोषी की अंतरिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 50 साल की एक डेनिश महिला के अपहरण और उससे बलात्कार के मामले में दोषी ठहराए गए एवं आजीवन कैद की सजा पाए पांच लोगों में से एक की अंतरिम जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। काबिलेगौर है कि दोषी मोहम्मद रजा ने अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने को अपने पूर्व नियोक्ता से मिलने के लिए राहत देने का अनुरोध किया था। इसके बाद दोषी के वकील ने बाद में एक नई याचिका दायर करने के लिए अपनी याचिका वापस ले ली और न्यायमूर्ति जीएस सिस्तानी और न्यायमूर्ति चंद्र शेखर ने याचिका खारिज कर दी। ज्ञात हो कि निचली अदालत ने विदेशी महिला के अपहरण और सामूहिक बलात्कार की 2014 की घटना को अमानवीय और नृशंस करार देते हुए कहा था कि यह घटना राष्ट्र की छवि पर एक धब्बा है। विदेशी महिला से रेप के आरोप में तीन किशोर सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

मोदी की अपील:

गांवों और शहरों को मिले समान सुविधाएं, कुम्हार से ही खरीदें दीये

मोदी ने आगे बताया कि देश में 'गरीबी भारत छोड़ो' अभियान चलाया जा रहा है और 2022 तक इसको पाने की कोशिश होगी। मोदी ने कहा कि टिंबर की खेती लोगों के लिए काफी फ ायदेमंद हो सकती है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संघ प्रचारक नानाजी देशमुख की जन्मशती और जयप्रकाश नारायण की जयंती पर 10 हजार लोगों से सीधे संवाद किया। पीएम ने कहा कि नानाजी देशमुख और लोकनायक जेपी ने मातृभूमि की सेवा की। दोनों महापुरुषों ने अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि गांवों और शहरों को समान सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर को गांवों के लिए मार्केट बनना चाहिए। पीएम ने कहा कि दीपावली के दीये गांव के कुम्हार से खरीदें। उन्होंने कहा कि 18000 गांव ऐसे थे जो कि 18वीं शताब्दी में जी रहे थे वहां पर बिजली भी नहीं थी। हमने लालकिले से 1000 दिन में इन गांवों में बिजली देने का बीड़ा उठाया, अब तक 15,000 गांवों में बिजली पहुंचा चुके हैं। हमारी सरकार मुफ्त में बिजली कनेक्शन दे रही है। पीएम मोदी ने कहा कि देश में कमी संसाधनों की नहीं बल्कि सुशासन की है। ग्रामीण विकास के लिए सुशासन का प्रयास जारी है. आने वाले दिनों पर ग्रामीण विकास पर सरकार का ज्यादा जोर होगा. जिन राज्यों में ज्यादा गरीबी है, वहां मनरेगा का काम कम हो रहा है। जिन राज्यों में सुशासन है, वहां मनरेगा का काम ज्यादा हुआ है।

मोदी ने आगे बताया कि देश में 'गरीबी भारत छोड़ो' अभियान चलाया जा रहा है और 2022 तक इसको पाने की कोशिश होगी। मोदी ने कहा कि टिंबर की खेती लोगों के लिए काफी फ ायदेमंद हो सकती है। कार्यक्रम में मोदी ने शौचालय बनाने और गंदगी को खत्म करने की भी बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में केवल वोट का अधिकार नहीं है, बल्कि जनता की भागीदारी भी काफी जरूरी है। सरकार हर योजना की समीक्षा कर रही है।

इच्छा मृत्युः

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। इच्छा मृत्यु के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। इससे पहले मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में इसका विरोध किया। आपको बता दें कि एक एनजीओ ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा था कि संविधान के आर्टिकल 21 के तहत जिस तरह नागरिकों को जीने का अधिकार दिया गया है उसी तरह उसे मरने का भी अधिकार है।

चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा के नेतृत्व वाली पीठ के समक्ष केन्द्र सरकार ने कहा कि अगर इच्छा मृत्यु को मंजूरी दी गई तो इसका बहुत दुरुपयोग हो सकता है। इस बेंच में मुख्य न्यायाधीश के अलावा जस्टिस एके सिकरी, एएम खानविलकर, डीवाई चंद्रचूड़ और अशोक भवन भी हैं। आपको बता दें कि फरवरी 2014 में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका लगाई गई थी, जिसमें एक गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्ति जो कि डॉक्टर्स के मुताबिक अब

कभी ठीक नहीं हो सकता, उसके लिए इच्छामृत्यु या दया मृत्यु की अपील की गई थी।

कोर्ट में याचिका लगाने वाली एनजीओ ने दलीली दी कि 'गरिमा के साथ मरने का अधिकार' 'यानी राइट टू डाय विथ डिग्निटी' भी होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने 25 फरवरी, 2015 को यह मामला संविधान पीठ के पास भेज दिया था। इसके अलावा संविधान पीठ कल्पना मेहता बनाम भारत सरकार, स्टेट ऑफ झारखंड बनाम हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी और नेशनल इंश्योरेंस कंपनी बनाम पुष्पा और अन्य से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही है।

मेट्रो किराए में बढ़ोतरी के खिलाफ आप का सत्याग्रह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने मेट्रो किराए में बढ़ोत्तरी के खिलाफ सत्याग्रह करने का ऐलान किया है। आप का दावा है कि पार्टी कार्यकर्ता 11 और 12 तारीख को दिल्ली के सभी मेट्रो स्टेशन के बाहर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करेंगे और मुसाफिरों व आम लोगों को जागरूक करेंगे। 13 तारीख को केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय का घेराव किया जाएगा। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि आम आदमी पार्टी और दिल्ली सरकार के लगातार विरोध के बावजूद केंद्र की बीजेपी सरकार ने दिल्ली मेट्रो का किराया बढ़ा दिया और दिल्ली की जनता को परेशानी में डाल दिया। मेट्रो का किराया बढ़ने के बाद जाहिर है कि मेट्रो के यात्रियों में कमी आएगी और यात्री यातायात के दूसरे साधनों की ओर बढ़ेंगे। केंद्र की बीजेपी सरकार ने निजी कैब कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए ही मेट्रो का किराया बढ़ाया है ताकि ओला और उबर जैसी बड़ी कंपनियों को ज्यादा फायदा हो। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के पास अब आंदोलन के सिवाय कोई दूसरा विकल्प नहीं है। बुधवार और गुरुवार को शाम 4 बजे दिल्ली के सभी मेट्रो स्टेशनों पर पार्टी के कार्यकर्ता खड़े होकर न केवल बढ़े किराए का विरोध करेंगे बल्कि दिल्ली की जनता से संवाद स्थापित करके उन्हे केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाए गए किराए की हकीकत

दिल्ली के सभी मेट्रो स्टेशन के बाहर आप कार्यकर्ता करेंगे प्रदर्शन

बताएंगे। 13 को आम आदमी पार्टी केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय का घेराव करेगी और मेट्रो किराए में हुई इस बढ़ोतरी का विरोध करेगी।

कालेधन की जांच कर रही एसआईटी भी आरटीआई के दायरे में

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कालेधन पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) सूचना के अधिकार कानून (आरटीआई कानून) के तहत जवाबदेह है। केंद्रीय सूचना आयोग ने यह व्यवस्था दी है। सूचना आयुक्त बिमल जुल्का ने एसआईटी को आरटीआई कानून के दायरे में लाते हुए कहा कि सरकार का हर कदम जनता की बेहतरी और लोक हित में होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एक सरकारी अधिसूचना के जरिये 2014 में कालेधन पर एसआईटी का गठन किया गया। इसका मकसद अर्थव्यवस्था में कालेधन का आकलन करना और उसके सृजन पर अंकुश के लिए उपाय सुझाने के लिए किया गया। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एमबी शाह की अध्यक्षता में कालेधन पर एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी विदेशों में रखे गए कालेधन के मामलों की जांच कर रही है। इस मामले में वह आरबीआई, खुफिया ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई तथा वित्तीय आसूचना इकाई और शोध एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ के अलावा डीआरआई जैसी विभिन्न सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय बिठाते हुए काम कर रही है।

मुंबई के एलफिंस्टन पुल पर हुई भगदड़ के लिए बारिश जिम्मेदार

रेलवे की जांच रिपोर्टः

नई दिल्ली। रेलवे की जांच रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई में 29 सितंबर को एलफिंस्टन पुल पर हुई भगदड़ की वजह बारिश थी। यह जानकारी बुधवार को अधिकारियों ने दी। बता दे कि इस घटना में 23 लोगों की मौत हो गई थी। पश्चिम रेलवे के मुख्य सुरक्षा अधिकारी की अध्यक्षता वाले पैनल ने बुधवार को महाप्रबंधक अनिल कुमार को अपनी रिपोर्ट सौंपी। पैनल ने इस टना में घायल हुए 30 यात्रियों के बयान दर्ज किए थे। इसके अलावा घटना का वीडियो फुटेज भी जांचा था। रिपोर्ट के मुताबिक भगदड़ की वजह भारी बारिश थी।

तेज बारिश की वजह से बाहर की ओर टिकट काउंटरों पर खड़े लोग भी बारिश से बचने के लिए सीढ़ियों की ओर भागे, जहां पहले से काफी भीड़ थी। इसमें कहा गया कि स्टेशन पर यात्रियों की बढ़ती संख्या से समस्या और बढ़ गई। जिन लोगों के पास भारी–भरकम सामान था, उनका संतुलन बिगड़ गया और संभवत: यही भगदड़ की वजह बनी। रिपोर्ट में कहा गया कि किसी भी प्रत्यक्षदर्शी ने यह नहीं कहा है कि अव्यवस्था पुल पर हुए शॉर्ट सर्किट की वजह से फैली।

भविष्य के लिए सुझाव

जांच पैनल ने सुझाव दिया है कि व्यस्त समय में यात्रियों के भारी सामान लेकर आने पर रोक लगाई जाए। इसके अलावा वे लोग जो सामान भरी टोकरियां या डलिया लिए हुए होते हैं, उनके भी व्यस्त समय में यहां आने पर रोक लगाई जाए।

डेंगू, चिकनगुनिया रूमेटाइड अर्थराइटिस के लिए जिम्मेदार

नई दिल्ली। आज की बदलती जीवनशैली, मोटापा, गलत खानपान के कारण अर्थराइटिस यानी गठिया रोग युवाओं को भी अपनी चपेट में ले रहा है। अर्थराइटिस का सर्वाधिक प्रभाव घुटनों में और उसके बाद कूल्हों की हड्डियों में दिखाई देता है। ऐसे में डेंगू और चिकनगुनिया के मरीजों को इस रोग के प्रति और अधिक सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि डेंगू और चिकनगुनिया के करीब 20 प्रतिशत मरीजों को रूमेटाइड आर्थराइटिस (गठिया) की आशंका होती है। आज विश्व अर्थराइटिस दिवस है। रूमेटाइड अर्थराइटिस रोग प्रतिरक्षण प्रणाली में असंतुलन से पैदा होने वाली बीमारी है, जो जोड़ों में सामान्य दर्द के रूप में शुरू होती है और इलाज के अभाव में शरीर के बाकी हिस्सों को प्रभावित करती है। यह लंबे समय तक रहने वाला सूजन का विकार है, जो हाथों और पैरों के साथ जोड़ों को प्रभावित करता है। डेंगू और चिकनगुनिया के करीब 80 प्रतिशत मरीज चार महीने के बाद इन बीमारियों के लक्षणों से पूरी तरह मुक्त हो जाते हैं, लेकिन 20 प्रतिशत मरीजों को गठिया (रूमेटाइड अर्थराइटिस) होने की आशंका होती है और ऐसे में इन मरीजों को अस्थि रोग चिकित्सकों से परामर्श लेना बेहद जरूरी है।

अर्थराइटिस केयर फाउंडेशन के अध्यक्ष व इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ आथोर्पेडिक एवं जॉइंट सर्जन, डॉ. राजू वैश्य और भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में उपमहानिदेशक डॉ. सुजीत कुमार सिंह व इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के आथोर्पेडिक सर्जन डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने संयुक्त रूप से एक अध्ययन किया है, जिसके आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है। यह अध्ययन प्रसिद्ध शोध पत्रिका ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। डॉ. वैश्य ने कहा कि डेंगू अथवा चिकनगुनिया के विषाणु हमारी रोग प्रतिरक्षण प्रणाली में गड़बड़ी पैदा करते हैं और इसके परिणाम स्वरूप इन बीमारियों के 20 प्रतिशत मरीजों में रूमेटाइड अर्थराइटिस हो जाता है और अगर डेंगू एवं चिकनगुनिया के ठीक होने के कुछ सप्ताह बाद रूमेटाइड के लक्षण प्रकट हों तो आथोर्पेडिक चिकित्सक से परामर्श करना चाहिए। डॉ. सुजीत ने कहा कि डेंगू एवं चिकनगुनिया के मरीजों के लक्षणों पर निगरानी रखी जानी चाहिए और अगर गठिया के लक्षण नजर आएं तो रूमेटाइड का इलाज शुरू करना चाहिए।

डॉ. वैश्य कहते हैं कि आज के समय में युवाओं में बढ़ते मोटापे, फास्ट फूड की बढ़ती चलन, विलासितापूर्ण जीवन और व्यायाम के अभाव में कम उम्र में ही हड्डियां एवं जोड़ कमजोर होने लगते हैं। हड्डियां घिसने लगती हैं। इसके अलावा युवाओं में अर्थराइटिस एवं ओस्टियो अर्थराइटिस की समस्या भी तेजी से बढ़ रही है। आज देश में घुटने के अर्थराइटिस से पीड़ित लगभग 30 प्रतिशत रोगी 45 से 50 साल की उम्र के हैं, जबकि 18 से 20 प्रतिशत रोगी 35 से 45 साल के हैं। अर्थराइटिस की समस्या पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक सामान्य है।

ऑनलाइन फोन ऑर्डर कर कहता था खाली है डिब्बा, कंपनी से लिया 166 बार रिफंड

नई दिल्ली। दिल्ली के एक युवक को ई- कॉमर्स कंपनी को 52 लाख रुपये का चूना लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। 21 वर्षीय युवक पर आरोप है कि वह ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी से फोन ऑर्डर करता था और बाद में शिकायत करता था कि जब ऑर्डर आया तो डिब्बे में कुछ नहीं था। शिवम चोपड़ा नामक युवक पर आरोप है कि उसने ऐसा 225 बार किया। वह 166 बार कंपनी से रिफंड लेने में कामयाब भी रहा। होटल मैनेजमेंट से ग्रेजुएशन करने वाला शिवम चोपड़ा नॉर्थ दिल्ली के त्रिनगर में रहता है। पुलिस ने उसे पिछले हफ्ते एक ऑनलाइन कंपनी की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया है। ए इस मामले में डीसीपी (नॉर्थ-वेस्ट) मिलिंद डुंबरे ने कहा कि चोपड़ा ने इस तरह की कॉल करने के लिए तकरीबन 141 सिम कार्ड का इस्तेमाल किया है। इसके साथ ही 50 इमेल आईडी भी बनाई। उसने ई कॉमर्स ऐप पर कई अकाउंट भी बना रखे थे। उन्होंने आगे बताया कि हर चोपड़ा हर बार गलत एड्रेस देता था।

दो सड़क हादसों में एक युवती समेत दो की मौत

नई दिल्ली। राजधानी के दो अलग–अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक युवती समेत दो लोगों की मौत हो गई और कुछ लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर घायलों को उपचार के लिए विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस दोनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पहली सड़क दुर्घटना अलीपुर थाना इलाके में हुई, जहां तेज रफ्तार होंडा सिटी कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराकर गड्ढे में गिर गई। हादसे में कार चालक ललित की मौके पर ही मौत हो गई। जांच में पाया गया कि ललित पेशे से ठेकेदार था और अपनी ससुराल टिकरी गांव आया था। सोमवार रात वह अपने दोस्त दिनेश के साथ ससुराल से निकलकर एंड्रूज गंज अपने घर के लिए निकला। रास्ते में दिनेश को उतराकर तेज रफ्तार में घर जाते समय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या एक पर टिकरी एवं खामपुर के बीच उसकी कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई और सड़क के दूसरी तरफ जाकर गड्ढे में गिर गई। मौके से गुजर रही पीसीआर ने क्षतिग्रस्त कार देख इसकी सूचना एम्बुलेंस को दी और घायल ललित को बड़ी मुश्किल से क्षतिग्रस्त कार से निकाल कर स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। एक अन्य मामले में सोमवार रात डेढ़ बजे सराय रोहिल्ला के इंदलोक इलाके में एक तेज रफ्तार कार तीन वाहनों को टक्कर मारकर पलट गई। हादसे में कार सवार युवती की मौत हो गई और नौ लोग घायल हैं।

मृतका की शिनाख्त प्रिया शुक्ला के रूप में हुई है। पता चला है कि युवती अपने दोस्त देव की जन्मदिन पार्टी में शरीक होने के लिए घर से निकली थी। पूलिस पूछताछ में पता चला कि कार में देव, प्रिया एवं तीन अन्य युवक थे। इंदलोक मेट्रो स्टेशन के पास बड़ी मस्जिद के सामने विपरीत दिशा में चलते हुए उनकी कार एक टैम्पो को टक्कर मारने के बाद आई–20 कार से टकराते हुए सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकराकर पलट गई थी। कार देव चला रहा था। हादसे में मोहम्मद मुस्तफा, उनकी पत्नी वहीदा, उनका बेटा, मो. जुबेर, नईम, अयूब सहित देव और उसके दो दोस्त भी घायल हो गए। पुलिस ने हादसे में पटली कार जब्त कर ली है।

संपादकीय

सॉफ्ट डिप्लोमेसी का कमाल

रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमन से चीन प्रभावित हुआ। वहां के सरकारी मीडिया में उनकी तारीफ के पुल बांधे गए। इस बात ने सबका ध्यान खींचा है। इसलिए कि जून में जब डोकलाम गतिरोध शुरू हुआ, उसके बाद से चीनी मीडिया का भारत और भारतीय नेताओं के प्रति रुख आक्रामक रहा है। अगस्त के आखिर में डोकलाम विवाद हल हुआ। उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिक्स शिखर बैठक में भाग लेने चीन गए। वहां उनकी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से सद्भावपूर्ण मुलाकात हुई। इसके बावजूद चीनी मीडिया का नजरिया नहीं बदला। मगर निर्मला सीतारमन की 'सॉफ्ट डिप्लोमेसीको वह दरकिनार नहीं कर पाया है।

> सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की विकट स्थिति के मद्देनजर ही आतिशबाजी पर रोक का आदेश दिया है। जरूरी यह है कि सभी पक्ष इसका औचित्य समझें।

भारत की पहली महिला रक्षा मंत्री सीतारमन सिक्किम में नाथू-ला अग्रिम चौकी पर गईं। वहां सीमा के उस पार तैनात चीनी सैनिकों को उन्होंने 'नमस्ते कहा। इसका जवाब उन फौजियों ने 'नी हाउ(अभिवादन के लिए चीनी शब्द) कहकर दिया। दोनों तरफ से सद्भाव दिखाया गया। इससे चेहरों पर मुस्कराहट आई। इसका वीडियो चीन के सरकारी टीवी चैनल सीजीटीएन पर दिखाया गया। तस्वीरें चीनी अखबारों में छपीं। उग्र रुख रखने वाले अंग्रेजी अखबार 'ग्लोबल टाइम्सने इस बारे में दक्षिण एशियाई मामलों के एक चीनी विशेषज्ञ की टिप्पणी भी छापी। उसमें कहा गया कि भारतीय रक्षा मंत्री ने अभिवादन के जरिए सद्भावना का संदेश भेजा। यह द्विपक्षीय संबंधों में सुधार और रिश्तों के फिर से सामान्य होने का संकेत है। ग्लोबल टाइम्स ने अपने संपादकीय में लिखा- 'भारतीय रक्षा मंत्री का चीनी सैनिकों को नमस्ते कहना यही दिखाता है कि वे सीमा पर शांति बनाए रखने के पक्ष में हैं और भविष्य में किसी तरह का विवाद नहीं चाहतीं। स्पष्टत- सीतारमन ने एक यात्रा और एक सांकेतिक संदेश से वो हासिल कर लिया, जो आम तौर पर कई वार्ताओं से प्राप्त नहीं होता। सीतारमन की योग्यता असंदिग्ध है। रक्षा मंत्री की जिम्मेदारी उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में पिछले फेरबदल के समय ही मिली। उनके इस भूमिका में आए अभी ज्यादा वक्त नहीं हुआ है। लेकिन इसी दरम्यान उन्होंने अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दिखा दी है। पिछले दिनों अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस भारत आए। उन्होंने भारत से अफगानिस्तान की सुरक्षा में अधिक बड़ी भूमिका निभाने का आग्रह सामने रखा। लेकिन सीतारमन ने अफगानिस्तान में भारतीय फौज भेजने से दृढ़ता से इनकार कर दिया। जाहिर है, उनकी प्रतिक्रिया समय एवं स्थिति के तकाजे के मुताबिक होती है। इसीलिए इस छोटी अवधि में उन्होंने अपेक्षा जगा दी है कि वे खुद को भारत के सर्वश्रेष्ठ रक्षा मंत्रियों में से एक साबित करेंगी। इस सिलसिले में नरेंद्र मोदी सरकार की इस विशिष्टता पर सहज ही ध्यान जाता है कि इसमें विदेश और रक्षा जैसे दो बेहद अहम मंत्रालयों का प्रभार महिलाओं के पास है। और अब यह जगजाहिर तथ्य है कि सुषमा स्वराज और निर्मला सीतारमन इन बड़े दायित्वों को बखूबी निभा रही हैं। इस रूप में दोनों ने महिलाओं की योग्यता और कार्यक्षमता को लेकर समाज में मौजूद कई पूर्वाग्रहों को ध्वस्त कर दिया है। इससे लोगों में भरोसा मजबूत हुआ है कि देश सुरक्षित हाथों में है।

स्वच्छ दीपावली

सवरेच्च न्यायालय द्वारा राजधानी दिल्ली में 1 नवम्बर तक पटाखों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध के बाद हमें इस बार दीपावली की रात न तो कानों में रुइयां डालनी होंगी, न धुएं से बचने के लिए सारी खिड़कियां और दीवारें बंद करनी होगी। इसी तरह दीपावली के अगले कुछ दिनों तक आकाश में बिना बादल अंधेरे का सामना भी नहीं करना होगा। यह बात ठीक है कि राजधानी में वायु प्रदूषण के एकमात्र कारण पटाखे नहीं हैं। फिर भी इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि हर वर्ष इससे वायू प्रदूषण का स्तर चिंताजनक स्थिति में पहुंच जाता है। वास्तव में पिछले साल ही दीपावली पर पटाखों के कारण प्रदूषण स्तर तीन गुना बढ़ गया था और दिल्ली इस मामले में दुनिया के सबसे खराब शहरों में आ गई थी। इसका अर्थ है कि अगर दीपावली और इसके आसपास होने वाले त्योहारों पर पटाखों की बिक्री न हों तो दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को इसके प्रदूषण से बचाया जा जा सकता है। इस आधार पर एक बड़े वर्ग ने इस फैसले का स्वागत किया है। किंतु कुछ ऐसे लोग हैं जिनमें व्यापारी वर्ग प्रमुख हैं, वे फैसले का विरोध कर रहे हैं। हालांकि इस बात की उम्मीद बहुत कम है कि दिल्ली सरकार सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करेगी। आखिर दिल्ली सरकार स्वयं राजधानी को प्रदूषण मुक्त करने के नाम पर ऑड-इवेन जैसी योजना चला चुकी है। यहां सर्वोच्च न्यायालय का यह कथन भी ध्यान देने योग्य है कि उसका लाइसेंस निलंबित करने वाले 12 नवम्बर, 2016 के आदेश को परखने का एक अवसर दिया जाना चाहिए कि क्या दीपावली के दौरान विशेषकर इसका सकारात्मक प्रभाव होता है। सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले वर्ष दीपावली के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति का आधार बनाकर 11 नवम्बर 2016 को पटाखों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। पटाखा व्यापारियों की अर्जी पर बिक्री का नियमन करने एवं धीरे-धीरे रोकने की सोच के तहत पिछले 12 सितम्बर को शतरे के साथ पटाखा बिक्री की इजाजत दी थी। इसके तहत जिन व्यापारियों ने लाइसेंस लेकर पटाखा खरीदे या बनाएं; उनको अवश्य नुकसान उठाना पड़ा है। इस पर सरकार विचार कर सकती है एवं उनने जीएसटी के रूप में जो कर जमा किए हैं, उन्हें वापस किया जा सकता है। लेकिन पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध से हुए असर के अध्ययन का एक अच्छा अवसर जाया नहीं होने देना चाहिए।

चौं रे चम्पू/अशोक चक्रधर

जय अमिताभ बच्चन

चौं रे चम्पू! अमिताभ बच्चन के जनमदिन पै सुभकामना संदेस भेजौ?-हृदय से भेजे हुए असंख्य संदेश उनके हृदय तक जाते रहते। उनके करोड़ों चाहक अरबों-खरबों संदेश उन्हें प्रतिदिन भेजते। सौ से ज्यादा फिल्मों के बाद वे प्रेमियों के हृदय-सम्राट हैं। अगर मैं सिनेमा के पिछले सौ साल के इतिहास में श्रेष्ठतम सौ अभिनेताओं के पास जाऊं, उनसे धरती पर भी मिलूं और आकाश में भी, और सर्वश्रेष्ठ सात का चयन करूं, और फिर से देखूं आकाश में, तो सात तारे झिलमिलाएंगे, और जो सबसे तेज, ध्रुव तारे की तरह नजर आएंगे।-सात ई चौं छांटे?-''सात हिन्दुस्तानी' से सफर शुरू किया था उन्होंने, तब वे सातवें थे। आज वे अभिनय के आकाश में अकेले हिन्दुस्तानी हैं। इस चमक और दमक के पीछे, दिव्य-दिमाग, गहन-ज्ञान, भव्य-भाषा, जीवंत-जिजीविषा, शानदार श्रम-शक्ति, विस्मयकारी विनय और कठोर कर्मशीलता में उनकी आद्यंत आस्था है। उनके आगे नई पीढ़ियों तक जाने वाला प्रशस्त रास्ता है। ''आनंद' में जब प्रकट हुए, तब उजागर हो गया था कि यही है वह अभिनेता, जिसके अभिनय के मूल में कविता है, साहित्य है और अपनेपन की सांस्कृतिक नदी है। नदी जब मुम्बइया घुटे-घाटों पर पहुंची तो सारे फिल्म-फॉर्मूला-फलॉस्फर्स के आग्रह पर एक ही चरित्र दोहराते रहे। बाईस बार विजय बनकर वे हमारे सामने आते रहे। लेकिन, विजय के बाद तो संपूर्ण-साम्राज्य की आवश्यकता होती है! बाईस प्रांत विजय करने के बाद, भारत सार्वभौमिक सत्ता कहलाता है। ये राज्य उनकी फिल्मों की तरह नाम बदलकर छत्तीस हो गए। उनकी ''कुली' देखकर तो मैं सिहर जाता हूं। वैसे सारी फिल्में रोचक लगती हैं, लेकिन भौंचक करने वाली फिल्में तो सन दो हजार के बाद आई। ''ब्लैक' से लेकर ''पिंक' तक! अभिनय के कितने रंग उन्होंने दिखाए और हर बार एक कदम और आगे बढ़ते नजर आए। उनके अन्दर थकान नहीं है, न कभी आएगी। बीमारियां उनसे परास्त होकर मर जाती हैं। वे उन्हें सर उठाने नहीं देते। गुरूर नहीं है, लेकिन अभिनय का जो सुरूर है चचा, वह उन्हें बहुत दूर तक ले जाएगा। जय अमिताभ बच्चन! जया-अमिताभ बच्चन! आपकी सदा जय-विजय हो!!

नित नया आसमां रचते अमिताभ

जयंती रंगनाथन

अमिताभ बच्चन हमारे सामने तब फिल्मों में आए, जब हमने हर तारीख को अपनी जिंदगी से जोड़ना शुरू किया था। इन सालों में उन्होंने अपनी जिंदगी तो जी ही, हमें भी हर दौर में जिंदगी जीने का एक फ्रेमवर्क थमाते रहे। बहुत कम बातें हैं अमिताभ बच्चन के बारे में, जो सबको पता नहीं। पिछले पांच दशकों से हर साल उनके जन्मदिन पर तमाम पत्र-पत्रिकाओं और टीवी चैनलों में उनकी निजी जिंदगी, फिल्म, टेलीविजन, राजनीति और सोशल मीडिया से जुड़ी तमाम जानकारियां बार-बार दिखाई-पढ़ाई जाती हैं। जब से अमिताभ बच्चन ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया, उनकी जिंदगी एक खुली किताब की तरह रही है। अमिताभ बच्चन भले अंतर्मुखी स्वभाव के हों, बेशक वह मीडिया से खुलकर अपने दिल की बातें न कहते हों, बावजूद इसके उनकी हर गतिविधि पर पैपराजी की नजर रहती है। वह लगभग हर रोज ट्वीट करते हैं, उनके करोड़ों फॉलोअर हैं। ट्वीट के जरिए वह बता चुके हैं कि इस साल वह जन्मदिन नहीं मना रहे। मगर हर उम्र व वर्ग के उनके प्रशंसक 75वें जन्मदिन को एक माइल स्टोन मानते हुए उन्हें शुभकामनाएं और बधाइयां दे रहे हैं।

75... इस उम्र में एक दादा या नाना दूर बसे अपने नाती-पोतों के फोन कॉल का इंतजार करते हैं। पोते-परपोते फोन पर हैप्पी बर्थडे ग्रेंड पा गुनगुनाते हैं। जीवन के संध्या काल में इसे ही खुश होने की वजह मान लेता है वह शख्स। लेकिन अमिताभ बच्चन ऐसा न कर रहे हैं, न कह रहे हैं। अमिताभ को समझने के लिए हमें कुछ पीछे जाना होगा। उनकी जिंदगी की उन महत्वपूर्ण घटनाओं व परिस्थितियों को टटोलना होगा, जिनकी वजह से अमिताभ बच्चन एक नाम न होकर एक विचार हो गए हैं।

> "जो नायक अब भी अपने वक्त के अनुसार खुद को ढाल रहा हो, उसके लिए 75 सिर्फ एक संख्या भप रहेगी। अमिताभ के 75वें जन्मदिन पर विशेष"

साल 1973। इससे पहले वह खुद को बतौर नायक स्थापित नहीं कर पाए थे। आनंद ने जरूर उन्हें एक संजीदा कलाकार की पंक्ति में ला खड़ा कर दिया, पर इससे पहले तक उन्हें अवहेलनाओं और अपमानों का लंबा दौर झेलना पड़ा। अपनी कद-काठी, चेहरे-मोहरे को लेकर ताराचंद बड़जात्या जैसे नामी निर्माता-निर्देशक से भी उन्हें यह सुनना पड़ा था कि तुममें नायकों वाली बात नहीं है। जंजीर ने कई मिथ तोड़े। कई दूसरे नायकों ने जिस भूमिका को करने से हाथ खींच लिया था, उसी भूमिका ने अमिताभ बच्चन को सितारा बना दिया। अमिताभ बच्चन के जरिए युवाओं को मिल गया एंग्री यंग मैन। इस दौर ने अमिताभ बच्चन को नायक के रूप में स्थापित किया, तो वहीं से आम आदमी को भी एक रास्ता मिलता दिखाई दिया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बाहर से आया एक आम शक्लोसूरत का बंदा भी सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। इसके बाद तो अमिताभ बच्चन लगातार ऊपर ही चढ़ते गए। फिर एक वक्त ऐसा भी आया, जब उन्हें वन मैन इंडस्ट्री कहा जाने लगा।

इस गति को ठहराव मिला उनके फिल्मी करियर के दूसरे पड़ाव पर। साल 1982। अमिताभ बच्चन के प्रिय निर्देशक मनमोहन देसाईकी फिल्म कुली लगभग बन चुकी थी। बेंगलुरु में एक फाइट दृश्य को फिल्माते समय अमिताभ बच्चन गंभीर रूप से चोटिल हो गए। जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे थे अमिताभ बच्चन। पूरा देश शोक में डूब गया। अमिताभ बच्चन की वापसी के दो परिणाम सामने आए, एक कुली का अंत बदल दिया गया और नायक को जीवित दिखाया गया। दूसरे, वह फिल्म सुपर हिट रही और अमिताभ बच्चन ने माना कि अब जिंदगी में किसी बात से उन्हें डर नहीं लगता, मौत से भी नहीं। कुली के बाद उनकाकरियर ढलान पर आने लगा। कुछ गलत फिल्में, ढलती उम्र, नए उभरते नायक, उनका सिंहासन डोलने लगा। वक्त आया, ठहरकर कुछ निर्णय लेने का और अपने आपको नए ढंग से पेश करने का। अमिताभ ने इस वक्त को 'मिड लाइफ क्राइसिस' कहा। नए निर्णयों ने अमिताभ बच्चन के सामने उनकी जिंदगी का सर्वाधिक क्रूर व कारोबारी संकट खड़ा कर दिया।

साल था 2000। टेलीविजन की दुनिया अपने पंख पसार रही थी और अमिताभ बच्चन ने भी इस दुनिया का हिस्सा बनने के लिए अपनी कंपनी एबीसीएल खोल ली। महज पांच साल में इस कंपनी को इतना घाटा सहना पड़ा कि अमिताभ सड़क पर आ गए। अपने एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था, 'मेरे लिए यह जिंदगी का सबसे कठिन समय था। मैं अपने आप से और जिंदगी से तब भी नहीं घबराया, जब कुली के दौरान मरते-मरते बचा था। मेरे ऊपर इतना कर्ज था कि मैं रातों को सो नहीं पाता था, खाना-पीना बंद। मुझे अपने रहने का अर्थ ही समझ नहीं आ रहा था। फिर एहसास हुआ कि मुझको लड़ना चाहिए, चाहे नतीजा जो निकले।' अमिताभ बच्चन के घर के पास रहते थे उनके मित्र और निर्माता-निर्देशक यश चोपड़ा। एक पूरी रात उन्होंने सुबह होने भर का इंतजार किया और अपने मित्र के घर पहुंच कर पहली बार उनसे काम मांगा। यश चोपड़ा उन दिनों अपने बेटे आदित्य चोपड़ा की फिल्म मोहब्बतें की कहानी गढ़ रहे थे। उन्होंने फौरन फिल्म फ्लोर पर उतारा और अमिताभ बच्चन को गुरुकुल के प्राचार्य की भूमिका के लिए साइन कर लिया। इसके तुरंत बाद अमिताभ बच्चन टीवी की दुनिया में कौन बनेगा करोड़पति शो से जुड़ गए। इस शो की कामयाबी ने उनके सारे कर्ज चुकता कर दिए। यह भी माना कि जिंदगी में कुछ निर्णय गलत हो सकते हैं, पर यह जिंदगी का अंत नहीं है। इस दौर में अमिताभ बच्चन बड़ी आसानी से नायक की सीढ़ी से उतरकर चरित्र भूमिकाएं निभाने लगे और इस तरह की भूमिकाओं को उन्होंने एक बड़ा कद दे दिया।

यही वह जज्बा था कि बाद के सालों में वह ब्लैक, पा, पीकू, पिंक जैसी फिल्मों में बेहतरीन और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं कर पाए। उनकी उम्र के अधिकांश नायक वक्त के साथ अपने आपको बदलने में असमर्थ रहते हैं और नई परिस्थिति के अनुसार खुद को ढाल नहीं पाते। अपनी 75 साल की जिंदगी में तमाम उतार-चढ़ाव देखने वाला यह शख्स आज भी यही मानता है कि उसने एक आम इंसान की तरह जिंदगी जी है। उनके स्थान पर जो भी होता, वह उन्हीं की तरह परिस्थितियों का मुकाबला करता, लड़ता, और आगे बढ़ने की कोशिश करता। आगे बढ़ने की कोशिश उनकी जिंदगी का एक ऐसा सूत्र वाक्य है, जो आम आदमी को उत्साहित करता है। यही वजह है कि धीरे-धीरे अमिताभ एक नाम या व्यक्ति भर नहीं रहे, एक विचार बन रहे हैं। अपनी जिंदगी को अनुशासित, रचनात्मक, जुझारू व भरपूर तरीके से जीने वाला ऐसा शख्स, जो किसी भी उम्र में रुकता नहीं, जिसने समय के साथ अपने को बदला है, वह आज भी विज्ञापनों का चहेता चेहरा है, खूब कमाता है, जिसकी जादू की एक झप्पी पाने को बच्चे, युवा, उम्रदराज सब हसरतमंद रहते हैं। ऐसे व्यक्ति के लिए 75 सिर्फ एक संख्या भर है।

रोक के बावजूद

थम नहीं रहा तलाक का सिलसिला

भटनागर

मुस्लिम महिलाओं को एकतरफा तीन तलाक देने की प्रथा को उच्चतम न्यायालय द्वारा गैर-कानूनी और असंवैधानिक करार दिये जाने के बावजूद तलाक देने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। हालांकि, पुलिस में प्राथमिकी भी दर्ज हो रही हैं लेकिन देश की शीर्ष अदालत के फैसले के बावजूद ऐसी घटनाओं का सामने आना चिंता का विषय है।

मुस्लिम महिला संगठन मांग कर रहे हैं कि शरिया के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ के बगैर ही अब मुस्लिम महिलाओं को उत्पीड़न से बचाने के लिए सरकार उचित कानून बनाये।

परंपरा गैर-कानूनी घोषित करने के फैसले के बावजूद पत्नी का इस तरह से त्याग करने वाले पति के खिलाफ क्या कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए? क्या उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता, दहेज निरोधक कानून और घरेलू हिंसा से संरक्षण कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए या सरकार कोई अन्य व्यवस्था बनाने पर विचार कर रही है?

मुस्लिम समाज का एक वर्ग न्यायिक व्यवस्था के बावजूद पुरानी परंपरा पर ही चलना चाहता है। शायद यही वजह है कि अब मुस्लिम महिला संगठन एकतरफा तलाक देने के ऐसे मामलों की शिकार हुई महिलाओं के पतियों के खिलाफ घरेलू हिंसा संरक्षण कानून के तहत कार्रवाई करने की मांग को लेकर अपनी आवाज उठा रहे हैं।

शीर्ष अदालत के फैसले के एक दिन बाद ही उत्तर प्रदेश और राजस्थान में एकतरफा तलाक देने के कई मामले प्रकाश में आये। कानपुर के स्वरूप नगर थाने में एक मामले में तीन तलाक से पीड़ित सोफिया अहमद ने अपने पति सहित ससुराल के पांच सदस्यों के खिलाफ घरेलू हिंसा से संरक्षण और दहेज की खातिर प्रताड़ना के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करायी।

महिला का आरोप है कि उसके पिता को एक करोड़ रुपये और एक स्पोर्ट्स कार देने के लिए मजबूर किया गया। इसके बावजूद उसके शौहर ने उसे एक बार में तीन तलाक देकर 13 अगस्त, 2016 को घर से बाहर निकाल दिया। इस मामले में हालांकि पहले पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की मगर कार्रवाई नहीं हुई। इसी तरह, उच्चतम न्यायालय के फैसले के एक दिन बाद ही बरेली के शेरगढ़ की 30 साल की महिला ने अपने पति जाहिद खान पर उसकी पिटाई करने, अप्राकृतिक यौनाचार और गांव की एक मस्जिद के मौलवी की मौजूदगी में एक बार में तलाक दिये जाने का आरोप लगाया है। उसने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और जिलाधीश के पास भी शिकायत की है।

मेरठ के सरधना थाने में अर्शीनिदा ने अपने पति सिराज, ससुर रियाज, तीन नंदों और दो अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। अर्शी ने भी दहेज की मांग, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के साथ ही पति द्वारा एक बार में तीन तलाक देने का आरोप लगाया है।

शीर्ष अदालत के फैसले से बेखौफ एक मुस्लिम पति ने पिछले महीने ही जोधपुर में अपनी पत्नी अफसाना को फोन पर तलाक दे दिया। इस दंपति के दो बच्चे हैं। उसने आरोप लगाया कि उसके पति मुन्ना ने दो दिन बाद दूसरा निकाह कर लिया।

राजस्थान के पाली जिले के जैताराम में भी ऐसा ही कुछ हुआ जहां सूफिया बानो को उसके पति अब्दुल गफार ने तलाक दे दिया। दोनों की शादी 30 साल पहले हुई थी। इस मामले में भी पुलिस में शिकायत दर्ज करायी गयी है।

अखिल भारतीय मुस्लिम महिला पर्सनल ला बोर्ड की अध्यक्ष शाइस्ता अंबर ने शरिया को किसी प्रकार की क्षति पहुंचाये बगैर ही कानून बनाने की मांग की है। इससे इतर, ऐसी घटनाओं की बढ़ती संख्या से चिंतित भारतीय मुस्लिम महिला आंदोलन नाम के संगठन ने केन्द्र सरकार से अनुरोध किया है कि एकतरफा तलाक देने की शिकायत मिलने पर आरोपियों के खिलाफ घरेलू हिंसा से संरक्षण कानून के तहत कार्रवाई की जाये।

इन घटनाओं के मद्देनजर जरूरी है कि सरकार इस ओर ध्यान दे। मुस्लिम महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाये।

प्लास्टिक

प्रदूषण का बड़ा कारक

ज्ञानेंद्र रावत

बिते दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आईवीआरआई के वैज्ञानिकों द्वारा एक बैल के लाइव ऑपरेशन को अपनी आंखों से देखा। ऑपरेशन के दौरान बैल के पेट से पूरे 50 किलो प्लास्टिक निकली देख प्रधानमंत्री हैरान रह गए। इसके बाद उन्होंने हर नागरिक से पॉलीथिन से दूर रहने की अपील की। दरअसल, जब-जब प्लास्टिक के खतरनाक पहलुओं के बारे में सोचा जाता है, तो यकायक उन गायों की याद जरूर आ जाती है, जो पेट में प्लास्टिक जमा हो जाने के कारण अक्सर अनचाहे मौत के मुंह में चली जाती हैं। सच तो यह है कि प्लास्टिक कचरा पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। वैज्ञानिक तो बरसों से इसके दुष्परिणामों के बारे में चेता रहे हैं। हमारे यहां समस्या खासकर इसलिए और भयावह शक्ल अख्तियार कर चुकी है कि स्वच्छता अभियान के बावजूद प्लास्टिकयुक्त कचरे से क्या गांव, क्या कस्बा, क्या नगर-महानगर यहां तक कि देश की राजधानी तक अछूती नहीं है। विडम्बना यह कि प्लास्टिक के इस्तेमाल पर पाबंदी है। लेकिन बावजूद इसके प्लास्टिक का इस्तेमाल बदस्तूर है। इस बाबत राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने कड़ा ऐतराज जताया है। न्यायमूर्ति स्वतंत्र कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने पाबंदी के बावजूद राष्ट्रीय राजधानी में प्लास्टिक के व्यापक और अंधाधुंध इस्तेमाल पर दिल्ली सरकार को पिछले दिनों कड़ी फटकार लगाई है। यह निर्देश दिया है कि पीठ के लगाए प्रतिबंध को राजधानी में तत्काल लागू करवाया जाए। आजकल एक ओर तो सफाई अभियान का डंका पीटा जा रहा है, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यों के मंत्री, राष्ट्रीय से लेकर गली-मोहल्लों के भाजपा नेता-पदाधिकारी-कार्यकर्ता तक सड़कों पर झाडू लगाते-फोटो खिंचवाते नजर आ रहे हैं, अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन प्रकाशित कराए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जगह-जगह गलियों के नुक्कड़ों पर पड़े प्लास्टिकयुक्त कूड़े के ढेरों पर आवारा मवेशियों के झुंड मुंह मारते देखे जा सकते हैं।

अध्ययन साबित करते हैं कि प्लास्टिक कचरे के चलते समुद्र में मछलियों का जीवन भी सुरक्षित नहीं है। माइक्रोप्लास्टिक जैसा घातक तत्व आम तौर पर कचरे जैसे कि प्लास्टिक के थैलों, बोतलों के ढक्कन और डिब्बों के जलप्रवाह और पराबैंगनी किरणों के टूटने तथा कॉस्मेटिक्स और टूथपेस्ट में भारी मात्रा में इस्तेमाल किए जाने वाले माइक्रोबीड्स के कारण बनता है। वह खतरनाक रसायनों को अवशोषित कर लेता है, और पक्षी एवं मछलियां जब इसे खा लेते हैं, तो यह उनके शरीर में चला जाता है। आर्कटिक सागर के बारे में ताजा अध्ययन प्रमाणित करता है कि आने वाले तीन दशकों में प्लास्टिक तो ज्यादा होगी लेकिन मछलियों के दर्शन दुर्लभ हो जाएंगे। कहने का तात्पर्य यह कि सागर में उस समय मछलियों की तादाद बहुत कम होगी। सागर में अलग-अलग धाराओं से आकर बहुत बड़ी मात्रा में बरसों से प्लास्टिक के छोटे-बड़े टुकड़े लगातार जमा हो रहे हैं। इनकी मात्रा तकरीब 100 से 1200 टन आंकी जा रही है। ग्रीनलैंड के समुद्र में इनकी तादाद बहुतायत में है। आशंका जताई जा रही है कि आर्कटिक सागर में प्लास्टिक के टुकड़े तेजी से बढ़ने के कारण आसपास के देशों का समुद्र प्रदूषित हो सकता है। अध्ययनों से साबित हो गया है कि दुनिया के महासागरों में साल 2010 तक तकरीब 80 लाख मीट्रिक टन प्लास्टिक कचरा मिल चुका है, और दिन-ब-दिन इसमें बढ़ोतरी जारी है, जो खतरनाक संकेत है। इस बारे में जॉर्जिया यूनिवर्सिटी की प्रो. जेना जैमबेक का कहना है कि अधिकांशत- प्लास्टिक का जैविक क्षरण नहीं होता। यही वह अहम वजह है कि आज पैदा किया गया प्लास्टिक कचरा सैकड़ों-हजारों साल तक बना रहेगा जो हमारे जीवन और पर्यावरण के साथ खिलवाड़ करता रहेगा जिसकी भरपाई असंभव होगी। ऐसे में हमें इसके उत्पादन और निस्तारण को लेकर गंभीरतापूर्वक विचार किए जाने की जरूरत है। इसमें दो राय नहीं कि धरती पर प्लास्टिक जितना कम होगा, उतना ही वह समुद्र में कम पहुंचेगा। इसलिए समुद्र में प्लास्टिक कम करना है, तो हमें धरती पर उसका इस्तेमाल कम करना होगा। चूंकि समुद्र का प्रदूषण धरती के प्रदूषण का ही विस्तार है। इसलिए यह हमारे जीवन के लिए धरती के प्रदूषण से भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। उस स्थिति में जबकि आज दुनिया प्लास्टिक कचरे के ढेर में तब्दील हो चुकी है, इसमें किंचित भी संदेह नहीं है कि समुद्र तभी स्वच्छ रह पाएगा जबधरती प्रदूषण-मुक्त हो। प्लास्टिक तो एक कारक है।

बड़ा हमला: भाजपा ने धोखे से छोटी कुर्सी छीनी, हम बड़ी छीनेंगे- अखिलेश

सहारनपुर। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने धोखे से हम लोगों को हराया। अगर ईमानदारी से चुनाव होता तो समाजवादी पार्टी कभी नहीं हारती। उन्होंने हमसे छोटी कुर्सी छीनी, हम लोकसभा चुनाव में इनसे बड़ी कुर्सी छीनेंगे। वे लोग जो करते हैं, वह ही हम भी करेंगे। जात-पात की राजनीति हम भी करेंगे। गुर्जर, सैनी, कश्यप, जाट सभी को अपने साथ जोड़ेंगे और उनके झूठे वादों की असलियत भी सभी के सामने खोलेंगे।

सपा के वरिष्ठ नेता रहे स्व. चौधरी यशपाल सिंह की 96वीं जयंती पर तीतरों में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि आए अखिलेश यादव ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार को जमकर निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव के दौरान जनता से किया अपना कोई वादा पूरा नहीं किया। नौकरी मिली नहीं बल्कि नोटबंदी और जीएसटी ने रोजगार छीन लिए, जीडीपी को भी लगातार नीचे पहुंचाकर देश को पीछे धकेल दिया है।

सफेद नहीं होता, लेन-देन काला सफेद होता है। इस सरकार में भी पूरा भ्रष्टाचार चल रहा है, जिसे जानना हो अकेले में आकर हमसे पूछ लेना, बता देंगे। उन्होंने कहा कि अब तो प्रदेश में दो-दो इंजन वाली सरकार चल रही है। यह दो इंजन वाली सरकार रास्ते से भटक रही है आपने देखा ही था कि खतौली में कैसे ट्रेन रास्ता भूल गई। प्रदेश में किसानों को भी ठगा गया है। कर्जमाफी के नाम पर भी उन्हें अपमानित किया गया है। उन्होंने जनता को सचेत करते हुए कहा कि ये भाजपा वाले चुनाव से पहले कुछ भी कर सकते हैं, इनसे सचेत रहना है। ये हर हाल में दोबारा सत्ता पाना चाहते हैं। उन्होंने कानून व्यवस्था को लेकर भी प्रदेश सरकार को घेरा और प्रदेश में हुई अनेक घटनाओं का हवाला दिया। उन्होंने सुमित गुर्जर के एनकाउंटर के मामले को भी उठाया और कहा कि वह किसी बदमाश के साथ नहीं हैं, लेकिन एनकाउंटर के नाम पर निर्दोषों को मारना गलत है। इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की जा चुकी है।

एकतरफा प्रेम में युवक ने छात्रा की हत्याकर की खुदखुशी

वाराणसी। कपसेठी थाना क्षेत्र में स्कूल जा रही कक्षा नौ की छात्रा अंजलि की धारदार हथियार से हत्या के बाद उसी गांव के आकाश ने ट्रेन के सामने कूदकर खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना पर दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दोनों रिश्ते में चाचा-भतीजी लगते थे। वहीं गांव वालों की मानें तो युवक छात्रा से एक तरफा प्यार करता था। पुलिस ने घटना के पीछे प्रेमप्रपंच की आशंका जतायी है। घटनास्थल से कुछ दूरी पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथियार को भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार युवक ने पहले छात्रा की धारदार हथियार से हत्या की, फिर ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। कपसेठी थाना क्षेत्र के घोसिला गांव की निवासी छात्रा अंजलि सेवापुरी स्थित कस्तूरबा विद्यालय में कक्षा नौ में पढ़ती थी।

गोण्डा में गार्ड की हत्या कर बदमाशों ने 50 लाख लूटे

गोण्डा। वरिष्ठ संवाददाता, लखनऊ कोतवाली क्षेत्र के जयनरायन चौराहे के पास इलाहाबाद बैंक की रानीबाजार शाखा में मंगलवार की शाम सशस्त्र बदमाशों ने धावा बोलते हुए गार्ड की हत्या कर करीब पचास लाख रुपए से भरा बक्सा लूट लिया। लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद बेखौफ बदमाश हवाई फायरिंग करते हुए घटनास्थल से भाग निकले। वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और पुलिस ने शहर की नाकाबंदी शुरू कर बदमाशों को पकड़ने का प्रयास शुरू कर दिया है। सरेशाम घटी इस घटना से बैंक और आसपास दहशत का माहौल है।

बताया जाता है कि इलाहाबाद बैंक की रानीबाजार शाखा में मंगलवार को देर शाम दिनभर की जमा रकम करेंसी चेस्ट में रखने के लिए एक बक्से में भरकर मुख्य शाखा ले जाई जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गार्ड के साथ बक्सा लेकर बैंक कर्मी जैसे ही बाहर निकले, पहले से ही घात लगाए बदमाशों ने असलहा दिखाकर बाक्स छीनने का प्रयास किया। गार्ड सादिक अली के विरोध करने पर उसे गोली मार दी, जिसकी जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। इस दौरान बदमाश रुपयों से भरा बक्सा ले जाने में कामयाब रहे।

बदमाशों की फायरिंग से घबराकर बैंककर्मी घबरा गए और अंदर ही दुबके रहे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बदमाश हवाई फायरिंग करते हुए मौके से भाग निकले। बैंक मैनेजर विजय सिंह के मुताबिक करेंसी चेस्ट के लिए करीब पचास लाख रुपए ले जाए जा रहे थे। मौके पर पहुंचे एसपी उमेश कुमार सिंह ने बताया कि सम्बन्धित कैशियर और बैंक कर्मियों के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरे की जांच की जा रही है। अभी यह नहीं पता लग सका है कि बदमाश किस वाहन से आए थे।

कस्टडी में मौत: चौकी इंचार्ज सस्पेंड, थाना प्रभारी लाइन हाजिर

कार्यालय संवाददाता। पुलिस कस्टडी में पिंटू की हुई मौत के मामले में एसएसपी आरके भारद्वाज ने सराय चौकी इंचार्ज दुर्गेश यादव को सस्पेंड कर दिया। वहीं जैतपुरा थाना प्रभारी श्रीप्रकाश गुप्ता को लाइन हाजिर कर दिया। साथ ही मामले की जांच के लिए कमेटी भी बना दी।

एसएसपी ने बताया कि पुलिस कस्टडी में मौत होना गंभीर मामला है। इसको देखते हुए चौकी इंचार्ज को सस्पेंड और थाना प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया गया है। इसके अलावा मामले की जांच के लिए कमेटी बना दी गई है। एसपी प्रोटोकाल की अध्यक्षता में कस्टडी में हुई मौत की जांच होगी। इसमें मौत के कारणों और उसके लिए दोषी की पहचान की जाएगी। उन्होंने बताया कि मामले में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी ना हो इसके लिए तीन डॉक्टरों का पैनल शव का पोस्टमार्टम करेगा। इस दौरान उसकी वीडियो रिकार्डिंग भी कराई जाएगी। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

हत्या का दर्ज हुआ मुकदमा

मामले में मृतक पिंटू की बहन ने देर रात तहरीर दी। इसके बाद एसएसपी के निर्देश पर 3 नामजद लोगों और जैतपुरा थाने के अज्ञात पुलिस कर्मियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस कर्मियों के खिलाफ मुकदमा जैतपुरा थाने में ही दर्ज किया गया। जैतपुरा थाने में पिंटू को गिरफ्तार करने का समय मंगलवार सुबह बताया गया। पुलिस के अनुसार पिंटू थाने में सुबह ही आया था और शौचालय जाने की बात कहकर उसने फिनायल पी लिया।

खाद्यान्न संकट: यूपी के 2915 स्कूलों में नहीं बंट रहा मिड-डे-मील

कानपुर। खाद्यान्न की कमी के कारण स्कूलों को मिड-डे मील नहीं मिल पा रहा है। बच्चों को बिना लंच के रहना पड़ रहा है। यह रिपोर्ट मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण की है। आईवीआरएस के माध्यम से जो सूचनाएं प्राधिकरण के पास आती हैं, उसमें कानपुर नगर के नौ और कानपुर देहात के 89 समेत प्रदेश के 2915 विद्यालय शामिल हैं। अब इन विद्यालयों की जांच कराई जाएगी।

आईवीआरएस के माध्यम से प्रतिदिन एमडीएम, दूध और फल वितरण की मॉनीटरिंग की जाती है। इसमें प्रधानाध्यापक के पास प्रतिदिन फोन आता है।

तीन प्रत्याशियों का परचा खारिज, 63 बचे

इलाहाबाद। इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के लिए नामांकन करने वाले 66 प्रत्याशियों में से तीन का नामांकन खारिज कर दिया गया है। इस प्रकार अब पांच प्रमुख पदों और संकाय प्रतिनिधियों के लिए कुल 63 प्रत्याशी मैदान में रह गए हैं। चुनाव अधिकारी प्रो. आरके सिंह ने मंगलवार की शाम वैध प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर दी। छह अक्तूबर को कुल 67 प्रत्याशियों ने नामांकन किया था। इनमें से उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी सूरज तिवारी ने अपना नामांकन वापस ले लिया था। 66 प्रत्याशी शेष थे। नामांकन पत्रों की जांच के बाद महामंत्री पद के प्रत्याशी मनीष कुमार, संयुक्त मंत्री पद के दावेदार आदर्श शुक्ला तथा स्नातक संकाय प्रतिनिधि के प्रत्याशी आशुतोष पांडेय का नामांकन पत्र खारिज कर दिया गया। मनीष और आदर्श एमए द्वितीय वर्ष के छात्र हैं। इनका नामांकन पत्र इन पर शैक्षकि अवशेष बकाया होने के कारण खारिज किया गया है। दोनों एमए प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में प्रमोट हुए हैं। जिस पेपर में इन्हें प्रमोट किया गया है, उसे पास करना अभी बाकी है। लिहाजा इन पर अकादमिक अवशेष था। लिंगदोह समिति और इविवि चुनाव विनियम 2012 में व्यवस्था है कि अगर किसी छात्र के ऊपर अकादमिक अवशेष है तो वह चुनाव लड़ने के योग्य नहीं होगा। वहीं आशुतोष पांडेय का नामांकन पत्र अभिलेखों की कमी के कारण निरस्त किया गया है। नामांकन पत्र के साथ वांछित अभिलेख न होने के कारण सत्यापन नहीं किया जा सका। महामंत्री पद के लिए आठ ने नामांकन किया था, अब सात प्रत्याशी रह गए हैं जबकि संयुक्त मंत्री के लिए नौ के बजाए अब आठ प्रत्याशी रह गए हैं। अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने वाले सभी सात, उपाध्यक्ष के 10 और सांस्कृतिक सचिव के पांच प्रत्याशी मैदान में बने हुए हैं।

विधि स्नातक प्रतिनिधि निर्विरोध निर्वाचित स्नातक प्रतिनिधि विधि संकाय के पद पर गोपाल नाथ कर्ण का निर्विरोध निर्वाचन हो गया है। स्नातक प्रतिनिधि कला संकाय के लिए सर्वाधिक सात, वाणिज्य संकाय के लिए दो तथा विज्ञान संकाय के लिए तीन प्रत्याशी मैदान में हैं। इसी तरह परास्नातक/शोध प्रतिनिधि कला संकाय के लिए सर्वाधिक चार तथा वाणिज्य, विज्ञान और विधि संकाय के लिए तीन-तीन प्रत्याशी मैदान में हैं।

बिहार

मूसलाधार बारिश से नदियां उफान पर, कहीं बाढ़ का खतरा तो कहीं रेल सेवा बाधित

भागलपुर। 24 से 36 घंटे से लगातार मूसलाधार बारिश ने एक बार फिर से लोगों में खौफ पैदा कर दिया है। मूसलाधार बारिश से कई नदियां उफान पर है। कहीं बाढ़ का खतरा तो कहीं रेल सेवा बाधित। बांका में प्रमुख चांदन जलाशय के स्पीलवे से मंगलवार की रात 9 बजे से नदी में पानी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। यह बढ़ते-बढ़ते सुबह 9 बजे तक साढ़े 3 फ़ीट पानी बढ़ा हुआ था।

बांका में चांदन डैम के कैचमेंट एरिया देवघर, मधुपुर, चंदन आदि जगहों में 36 घंटों से हो रही लगातार बारिश की वजह से यह स्थिति उत्पन्न हुई है। सिंचाई प्रमंडल बौंसी के कनीय अभियंता के अनुसार अगर लगातार बारिश होती रही तो डैम का जलस्तर बढ़ सकता है और पांच से छह फीट तक डैम स्पील कर सकता है। बताते चलें कि डैम के पानी से चांदन नदी और इसके सहायक नदियों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इससे तटबंध नहरों की संरचना की क्षति हो सकती है। इसके अलावा बौंसी प्रखंड के कुछ हिस्से पंजवारा, बाराहाट, रजौन एवं धोरैया में बाढ़ का खतरा बन सकता है। हालांकि विभाग लगातार डैम की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और प्रशासन भी अलर्ट पर है। मालूम हो कि वर्ष 1995 में चंदन डैम से करीब साढ़े 14 फीट पानी स्पील किया था जिससे बांका एवं भागलपुर में भारी बाढ़ आ गई थी और जान माल का क्षति हुई थी।

भागलपुर-किऊल रेलखंड पर रेल परिचालन ठप

लखीसराय में मंगलवार देर शाम से मूसलाधार और रात भर हुई बारिश से कजरा रेलवे स्टेशन पर ट्रैक पर पानी भर गया। इसकी वजह से जमालपुर-किऊल रेलखंड पर रेल परिचालन पूरी तरह से ठप हो गया हालांकि दोपहर एक बजे के बाद रेल सेवा फिर से बहाल हुई। मूसलाधार बारिश की वजह से बुधवार सुबह करीब पांच बजे से रेल परिचालन ठप थी। इसकी वजह से भागलपुर, पटना और हावड़ा की ओर से चलने वाली ट्रेनें जहां-तहां फंसी थी। जहां फरक्का एक्सप्रेस और जमालपुर-किउल पैसेंजर अभयपुर स्टेशन पर रुकी थी। वहीं हावड़ा-गया एक्सप्रेस मसुदन में और भागलपुर-पटना इंटरसिटी दशरथपुर स्टेशन पर रूकी हुई थी। मुजफ्फरपुर -भागलपुर जनसेवा और श्रमिक पैसेंजर उरैन में, जबकि किऊल-जमालपुर डीएमयू धनौरी में फंसी हुई थी। किऊल और जमालपुर से कजरा पहुंची तकनीकी टीम ने स्टेशन से उत्तर की ओर पानी निकाला। इसके बाद दोपहर एक बजे तक परिचालन सामान्य हो पाया।

जमुई में बाइपास सड़क के पुलिया पर पानी का तेज बहाव

गिद्धौर(जमुई)। प्रखंड में मंगलवार से हो रही मूसलाधार बारिश से उलाई नदी में उफान आ गया। इसकी वजह से गिद्धौर जमुई बाईपास सड़क पर जखराज स्थान के समीप बनी पुलिया पूरी तरह से पानी में डूब गयी। पुलिया पर पानी के तेज बहाव के कारण छह गांवों का आवागमन बाधित हो गया।

बागवानी को बढ़ावा कृषि रोड मैप का लक्ष्य : डॉ. प्रेम

पटना। कृषि मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा बागवानी फसलों को बढ़ावा देना कृषि रोड मैप का प्रमुख लक्ष्य है। बागवानी फसलों की खेती से किसानों की आय में वृद्धि होगी। बागवानी अतिरिक्त रोजगार सृजन का भी प्रमुख स्रोत है। डॉ. कुमार ने बताया कि सरकार की योजना के तहत उद्यानिक फसलों के बीजोत्पादन और फलदार पौधे की पौध रोपण सामग्री की तैयारी से लेकर उद्यानिक फसलों के उत्पादन, उत्पादकता में वृद्धि के लिए काम हो रहा है। समेकित कीट-व्याधि प्रबंधन की योजना राज्य में चल रही है। उन्होंने कहा कि लागत कम करने के लिए मल्च फिल्म के उपयोग, उद्यानिक यंत्रीकरण, तुड़ाई उपरांत फल-सब्जी के प्रबंधन और मार्केटिंग के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना के विकास का प्रावधान सरकारी योजनाओं में है।

दवाली का तोहफा, मधेपुरा रेल इंजन कारखाना में इलेक्ट्रिक इंजन निर्माण शुरू

मधेपुरा। मधेपुरा के रेल विद्युत इंजन कारखाना में एक सादे समारोह के साथ शुरू हो गया। इंजन निर्माण का कार्य करने वाली एल्सटॉम कंपनी के अधिकारी, भारतीय रेलवे के अधिकारी के साथ डीएम मो. सोहैल ने दीप जलाकर निर्माण कार्य विधिवत शुरू किया।

एल्सटॉम कंपनी के एशियन रीजन के सीनियर प्रेजिडेंट जेनफ्रेंन कोइस बीडीओइन ने इस प्रोजेक्ट को मेकइन इंडिया का बड़ा उदाहरण बताया। बताया कि फरवरी 2018 के अंत तक पहला लोकोमोटिव इंजन बनकर तैयार हो जाएगा। भर्ती मौसम को ध्यान में रखकर इंजन बनाया जाएगा। लोकोमोटिव इंजन की गति 120 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। उन्होंने कहा कि लोकोमोटिव इंजन का काम शुरू होने से मधेपुरा का आर्थिक व सांस्कृतिक विकास भी होगा। इस मौके पर एल्सटॉम के प्रोजेक्ट डायरेक्टर जेन क्रिस्टोफ गोवर्ट, रेलवे सीएओ खुशीराम, डीएम मो. सोहैल, एसपी विकास कुमार आदि मौजूद रहे।

एक नजर में इलेक्ट्रिक इंजन कारखाना

शहर से करीब चार किलोमीटर दूर चकला चौक के नजदीक रेल विद्युत इंजन कारखाना बनकर लगभग तैयार हो चुका है। इस फैक्ट्री की स्थापना के लिए 26 जनवरी 2016 को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति ने कान्ट्रैक्ट साइन किया था। 4 अक्टूबर 1016 को फैक्ट्री निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। रेल विद्युत इंजन निर्माण में अग्रणी फ्रांस की अलस्टॉम कंपनी को रेल विद्युत इंजन निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। प्रोजेक्ट के साथ गहराई से जुड़े रहे डीएम मो. सोहैल ने बताया कि भारत सरकार 1000 इंजन खरीदने का ऑर्डर दे चुकी है। डीएम ने बताया कि रेल फैक्ट्री में निर्माण कार्य शुरू होना मधेपुरा ही नहीं बल्कि संपूर्ण कोसी-सीमांचल और प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है।

सासाराम में रणवीर सेना के पूर्व एरिया कमांडर समेत तीन की हत्या

पटना। दो अपराधी गिरोहों के बीच वर्चस्व को लेकर हुई मुठभेड़ में रणवीर सेना के पूर्व एरिया कमांडर धनजी सिंह सहित तीन लोग मारे गए। घटना मंगलवार देर शाम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दुर्गापुर गांव के बाहर सोन उच्च स्तरीय नहर पर घटी जहां धनजी सिंह व पप्पू सिंह गिरोह के **बीच 100 चक्र से अधिक गोलियां चलीं।**

घटना में कई लोगों को घायल होने की भी सूचना है। पुलिस को घायलों का पता नहीं चला है। मरने वालों में नोखा थाने के नारन निवासी धनजी सिंह के अलावा इसी थाना क्षेत्र के कुरी के शशिकांत तिवारी और भोजपुर जिले के सहेजनी गांव के मंटू सिंह शामिल हैं। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर रखी है।

घटना की सूचना मिलने के बाद डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में सासाराम टाउन, मुफस्सिल, नोखा, बघेला व राजपुर थाना की पुलिस घटनास्थल की घेराबंदी किए हुए है। घटना के बाद पूरे जिले में सनसनी फैल गई। रणवीर सेना के पूर्व कमांडर पर कई नरसंहार का भी मामला चल रहा है। हाल के दिनों में प्रतिबंधित हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार धनजी सिंह दो माह पहले जमानत पर जेल से रिहा हुआ था। रोहतास में बालू खनन बंद होने के बाद हो रहे अवैध बालू खनन पर वर्चस्व को लेकर रंजीत सिंह व पप्पू सिंह के बीच एक माह पूर्व में घटनास्थल पर ही गोलीबारी हुई थी। घटना के संबंध में डीएसपी ने बताया कि मरने वालों में धनजी सिंह की पहचान हुई है। एक मृतक धनजी सिंह का मामा बताया जा रहा है जो हमेशा उसके साथ रहता था। पुलिस को घटनास्थल के आसपास से कई खोखा मिले हैं।

चंपारण सत्याग्रह:बच्चों संग मिट्टी में बैठ भोजन करेंगे : नीतीश कुमार

पटना। चंपारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम की श्रृंखला में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को ज्ञान भवन से 'बापू आपके द्वार' तथा 'गांधी कथा वाचन' महाअभियान की शुरुआत करेंगे। राजधानी समेत राज्यभर के 800 स्कूली बच्चों की मौजूदगी में मुख्यमंत्री गांधी पर केंद्रित दो कहानियां 'मिट्टी से नेता भी बनते हैं' और 'च से चम्पारण' का पाठ करेंगे।

इसी दौरान राज्य के 85 हजार विद्यालयों में भी दोनों कहानियों का पाठ बच्चे करेंगे। कहानियां शिक्षा विभाग ने सभी विद्यालयों को भेज दी है। बिहार में बापू के विचारों को घर-घर पहुंचाने का महाभियान 'बापू आपके द्वार' की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री महात्मा गांधी के अनुकरणीय संदेशों को समाहित करने वाले फोल्डर को भी विमोचित करेंगे। महाभियान के शुभारंभ समारोह की वेबकास्टग सभी जिला मुख्यालयों के नगर भवन या अन्य मुख्य प्रेक्षागृहों में किया जाएगा।

11 अक्टूबर से ही राज्यभर में 46 हजार साक्षरताकर्मी फोल्डर के साथ घर-घर दस्तक देंगे व बापू के विचारों को लोगों को पढ़कर सुनाएंगे। शिक्षा विभाग ने जन-जन तक इसे पहुंचाने के लिए डेढ़ करोड़ फोल्डर छपवाए हैं। उद्घाटन समारोह में उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी, शिक्षा मंत्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, लेखक सोपान जोशी, शिक्षाविद् रमाशंकर सिंह व मुख्य सचिव अंजनी कुमार सिंह बतौर अतिथि मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत बापू के प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तैने कहिए जी.' से जबकि समापन 'रघुपति राघव राजा राम.' से होगा। बिहार संगीत नाटक अकादमी की सहायक सचिव विभा सिन्हा इसका गायन करेंगी।

11.30 बजे से 1.30 बजे तक चलने वाले इस समारोह के तुरंत बाद मुख्यमंत्री राज्यभर से आए 800 बच्चों के साथ ज्ञान भवन के निचले तल पर जमीन पर बैठकर भोजन करेंगे। जनशिक्षा निदेशक विनोदानंद झा ने बताया कि भोजन शुद्ध शाकाहारी होगा।

जम्मू-कश्मीर आतंकी मुठभेड़ में भागलपुर का लाल और कमांडो निलेश शहीद

भागलपुर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा मुठभेड़ में भागलपुर जिले के सुल्तानगंज के उधाडीह गांव के रहने वाले जवान निलेश कुमार नयन शहीद हो गए। वे 31 साल के थे। इंडियन एयरफोर्स में गरुड़ डिवीजन के कमांडो के रूप में मूलरूप से चंडीगढ़ में पदस्थापित थे।

बीते 3 तीन माह पहले जवानों को कमांडों ट्रेनिंग देने के लिए जम्मू-कश्मीर गए थे। बुधवार को दस बजे दिन में उनके पिता तरुण कुमार सिंह को चंडीगढ़ से सेना के कैप्टन का फोन आया कि उनके बेटे जम्मू-कश्मीर में हुए मुठभेड़ में शहीद हो गए हैं। सूचना मिलते ही उनके घर में कोहराम मच गया। गांव के लोग उनके घर पहुंचने लगे।

निलेश की पत्नी मिनिषा नयन और 14 साल की बेटी हिमांशी नयन चंडीगढ़ में ही रहती हैं। उनकी शादी 2016 में छत्तीसगढ़ में हुई थी। वे वर्ष 2005 में सेना में भर्ती हुए थे। पांच महीने पहले वे गांव आए थे। उनके पिता ने रो-रोकर बताया कि 9 अक्टूबर की रात में निलेश का फोन मां के पास आया था। उसने कहा था कि मां जनवरी के बाद आकर आपलोगों को चंडीगढ़ ले आऊंगा।

निलेश का छोटा भाई रितेश नयन भी सेना में है। वह राजस्थान के आवोहर में तैनात हैं। सुल्तानगंज के प्रखंड विकास पदाधकारी प्रभात रंजन निलेश के घर पहुंचकर उनके परिजनों को संत्वना दी। पिता ने बताया कि गुरुवार तक शहीद का पार्थिव शहीद घर पर पहुंचने की उम्मीद है। बता दें कि कुछ दिन पहले भागलपुर जिले के ही पीरपैंती के कमलचक गांव के रहने वाले सेना के एएसआई ब्रजकिशोर यादव भी आतंकी हमले में शहीद हुए थे।

क्रांति समय

उमर पाडा में100 करोड़ के विकास कार्यो का आदिवासी मंत्री ने किया शिलान्यास

50 करोड़ के खर्च से होगा सैनिक स्कूल का निमार्ण

सूरत। उमर पाड़ा तालुका के आदिवासी क्षेत्रों में बुधवार को आदिवासी मंत्री गणपत भाई वसावा ने 100 करोड़ से अधिक के खर्च से होने वाले विकास कार्योओ की आधार शिला रखी जिसमें से 50 करोड़ के खर्च से सैनिक स्कूल 13 करोड़ के खर्च से सरकारी कॉलेज 18.46 करोड़ के खर्च से कन्या छात्रावस तथा 18.46 करोड़ के खर्च से कुमार छात्रवास का निमार्ण किया जाएगा। इस अवसर पर आदिवासी मंत्री गणपतभाई वसावा ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र में सेनिक स्कूल खुल जाने से अब आदिवासी बालकों को सैना में भर्ती होने के लिए दुर दुर तक नहीं जाना पड़ेगा। राज्य सरकार आदिवासीयों के विकास के लिए पुरी तरह से कटिबद्ध है। उन्होंने आदिवासी परिवार के विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकार दी। उन्होने आदिवासीयों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षण के बिना सर्मद्ध सम्भव नहीं है। इस लिए सरकार आदिवासी बच्चों के शिक्षण पर विषेश ध्यान दे रही है। इस अवसर पर गणपत भाई वसावा ने केंद्र सरकार उजवला योजना अंतरगत जरुत मंद परिवारों को रसोई गैस का सिलेन्डर तथा चुल्हा वितरित किय।

अवैध बांधकाम हटा कर वसूला जुर्माना

सूरत। सूरत महानगर पालिको ने बुधवार को उधना व पांडेसरा क्षेत्र मे अतिक्रमण की कारवाही कर अवैध बांधकाम को दूर किया हौ। मनपा की टीम ने दोनों क्षेत्र में अतिक्रमण कर 30 हज़ार का जुरमाना भी वसूल किया है।

मनपा के अधिकृत शुत्रो से प्राप्त जानकारी के मुताबिक पांडेसरा क्षेत्र में टी पी स्कीम नम्बर 57 के खाते दार ने मनपा की परमिशन लिए बगैर अपने प्लाट पर मकान के दूसरे तल पर अवैध तौर पर दीवार चुन दी थी । मनपा की टीम ने दोनों क्षेत्र में अतिक्रमण कर 30 हज़ार का जुरमाना भी वसूल किया है।

बुधवार को मनपा की तीन ने इस अवैध निर्माण को तोड़ दिया एव मकान मालिक से 30 हज़ार का जुर्माना वसूल भी किया था।

विविध जोन की बेकरी में छापेमारी कर लिए बिस्किटो के सेम्पल

सूरत। दीवाली के अब गिने चुने दिन ही बाकी रह गए है तब सूरत महानगर पालिका का हेल्थ एंड हॉप्टियाल विभाग हरकत में आ गया है। बुधवार को हेल्थ दीपार्टमेन्ट ने सेंट्रल जॉन व रांदेर ज़ोन की विविध बेकरीमें छापे मारि कर बिस्कुटों के सेम्पल लिए थे।

मनपा की टीम ने आज सेन्ट्रल ज़ोन विताएकी प्रख्यात डोटी वाला बेकरी व रूदरपुरा क्षेत्र में बॉबी बेकर्ष के यह छापा मारा था वही रांदेर विस्तार में राम नगर में संयोष बेकरी व कमल बेकरी व अंदाजन विस्तार की शिवांश बेकरी से बिस्किट के सेम्पल जुटाए थे । बुधवार को हेल्थ दीपार्टमेन्ट ने सेंट्रल जॉन व रांदेर ज़ोन की विविध बेकरीमें छापे मारि कर बिस्कुटों के सेम्पल लिए थे।

108 कर्मचारियों ने हाथ में लोलीपोप लेकर प्रदर्शन करते हुए बुधवार को भी हड़ताल जारी रखी

सूरत। विविध लंबित मांगों लेकर शहर-जिला के 108 एम्ब्यूलेंस के कर्मचारी पिछले पांच दिन से हडताल कर रहे हैं। आज पुरानी सिविल हॉस्पिटल केम्पस में कर्मचारियों ने लोलीपोप दिखाकर विरोध दर्ज कराया। सूरत शहर तथा जिला के तमाम तहसील के 108 के कर्मचारियं द्वारा नौकरी का समय 8 घंटे, स्थायी करने तथा वेतन भत्थे में वृद्धि सहित की लंबित मागों को लेकर कई बार विविध स्तर पर शिकायत की गई थी। इसके बावजूद समस्याओं को निराकरण नहीं होने से आखिरकार 108 के कर्मचारी पिछले पांच दिन से हडताल पर हैं। गत रोज धरना प्रदर्शन के लिए जिला कलेक्टर से अनुमति मांगी गई थी लेकिन कलेक्टर नें अनुमति नहीं दी थी। चौपाटी के पास से बैठे कर्मचारियों को खदेड दिया गया था। आज 108 के कर्मचारियों ने पुरानी सिविल हॉस्पिटल केम्पस में एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। हाथ में लोलीपोप लेकर कर्मचारियों ने 108 के कंट्रोल रुम समक्ष बैठ सूत्रोच्चार करने के साथ विरोध प्रदर्शन किया। हलांकि अभी तक सरकार या जीवीके कंपनी द्वारा 108 के कर्मचारियों के साथ समाधान का कोई प्रयास नहीं किया गया है।

विवाहिता ने की थी खुदकुशी : ससुराल वालों के खिलाफ प्रताडित करने का मामला दर्ज

सूरत। अमरोली के वर्धमान पार्क सोसायटी निवासी शेवकानी परिवार की पुत्र वधु की खुदकुशी करने के मामले में अमरोली थाने में प्रताड़ित करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है । अमरोली पुलिस के अनुसार अमदाबाद के मणिनगर स्थित अंजलि एपरमेन्ट निवासी सुरेश भाई मुरचंद भाई लालवाणी 58 केमिकल के व्यापारी है । सुरेश भाई की पुत्री लवीना का विवाह 12 फरवरी 2009 में सूरत के अमरोली इलाके के वर्धमानपार्क सोसायटी निवासी सुनील देवीदास शेविकानी के साथ हुआ था । विवाह के छह माह के बाद से पति सुनील ,देवर पवन सास हेमा बहन सहित ससुराल वाले शारीरिक मानशिक रूप से त्रास देकर ताने मारते थे । तथा गाली गलौज कर परेशान करते थे । जिसके चलते विवाहिता ने तनाव में आकर 16 अक्टूबर के रोज अपने घर मे फंदे पर जुलकर खुदकुशी करली । हादसे के चलते मृतक विवाहिता के पिता की शिकायत पर अमरोली पुलिस ने पति,ससुर,सास तथा देवर सहित चार जने के खिलाफ प्रताड़ित करने का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है ।

सूरत। डेडिया पाड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम मे शिरकत करने आई पूर्व केद्रीय मंत्री स्मृति इरानी का सूरत के एयरपोर्ट पर सासंद सी.आर.पाटिल मेयर अस्मीता बेन सिरोया सहित शहर के गणमान्य राजनैतिक व सामाजिक अग्रणीयों द्वारा स्वागत किया गया।

सचिन के युवक ने 5 हजार के लालच में गवाये 38 हजार

सूरत। सचिन जीआईडीसी पुलिस के अनुसार सचिन के तलगपोर रोड स्थित शिव नगर निवासी देवमूरत कमलेश भाई निशाद 19 नोकरी कर परिवार का गुजारा करता है । 3 अक्टूबर के रोज देव मूरत सचिन जीआईडीसी के रोड नबर 6 की स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया में पैसा जमा करने के लिए गया था । इसी दौरान नवागांव डिंडोली के राधाकृष्ण सोसायटी निवासी योगेश नामदेव पाटिल तथा वलसाड के मोगरा वाड़ी निवासी सतनाम उर्फ पप्पू साहबदिन रावत सहित दोनो ठग युवको ने पीड़ित की बैंक के बाहर बुलाया था और दो लाख रुपए के पैसो का बंडल बताया था बाद कहाकि बैंक में हमारा कोई एकाउन्ट नही है हमे पैसे अर्जेन्ट ट्रांसफर करने है । हमारे पैसे तुम अपने एकाउन्ट में जमा करवादो उसके बदले में हम तुजे 5 हजार रुपए देगे । ठगों की बाते सुनकर पीड़ित लालच मेंआगया ओर पीड़ित ने अपने पास के 38 हजार ठगों को देदिये । बाद दोनों ठग पैसे

सूरत। कांग्रेस द्वारा विविध मांगों को लेकर बुधवार को शहर पुलिस कमिश्नर को आवेदन पत्र शोंपा गया। चित्र में सीपी को आवेदन पत्र शोंपने जा रहे कांग्रेस के कार्यकर्ता

विवाहिता के साथ दुष्कर्म करने वाला अपराधी को कतारगाव पुलिस ने गिरफ्तार किया

सूरत। कतारगाव के आबातलावड़ी स्थित करुणा सागर सोसायटी निवासी एक युवक ने अपनी संबंधी विवाहिता को उसके पुत्र का अपहरण कर ब्लेकमेल कर उसके साथ बार बार दुष्कर्म किया होने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है । पुलिस सूत्रों के अनुसार कतारगाव के आबातलावड़ी स्थित करूणा सागर सोसायटी निवासी गोविंद नारोला 39 एम्रोइडरी की फैक्ट्री चलाते है । गोविंद ने पिछले दश माह से संबंधी विवाहिता को उसके पुत्र का अपहरण कर हत्या करने की धमकी देकर ब्लेकमेल तथा बदनाम करने की धमकी देकर ओलपाड ,जहांगीरपूरा सहित के इलाकों में लेजाकर जबरन उसके साथ दुष्कर्म करता था ।

हादसे के चलते पीड़िता ने कतारगाव थाने में गोविंद के खिलाफ मामला दर्ज करवाया पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी गोविंद नारोला को गिरफ्तार किया है ।

एनजीओ के कार्यालय में चोरी की कोशिश उधना इलाके में हुई

सूरत। उधना के जीवन ज्योत स्थित जीवन गंगा डिपार्टमेंट की एक एनजीओ कार्यालई को रात्रि दौरान अनजान चोर उच्चकों ने निशाना बनाकर अंदर प्रवेश कर चोरी की कोशिश कर फरार होगए होने का मामला सामने आया है, उधना पुलिस के अनुसार रांदेर के नवयुग कॉलेज स्थित शिवम अपार्टमेंट निवासी चंद्रशेखर मुकुंद भाई देशमुख 47 एनजीओ चलाते हैं, उधना के जीवन ज्योत स्थित शिवम अपार्टमेंट मैं मुंबई एजुकेशन इनिशिएटिव नामक कार्यालय चंद्रशेखर भाई चलाते हैं मंगलवार की रात्रि दौरान अंजन चोर उच्चकों ने कार्यालय को निशाना बनाया था और कार्यालय में प्रवेश कर चोरी करने की कोशिश की थी कार्यालय में प्रवेश से बदमाशों को कुछ हाथ नहीं लगने पर वह से फरार हो गए हादसे के चलते उधना पुलिस ने चंद्र शेखर भाई की शिकायत पर चोरी की कोशिश का मामला दर्ज कर जांच शुरु की है,

वराछा के युवक का अपहरण करने के मामले में 7 जने गिरफ्तार

सूरत। वराछा के माता वाडी वर्षा सोसाइटी निवासी एक युवक का अपहरण कर पिटाई करने के मामले में लिंबायत पुलिस ने 7 जनों को गिरफ्तार किया है.. लिंबायत पुलिस के अनुसार वराछा के माता वाडी वर्षा सोसाइटी निवासी विजय दिलीप भाई गजेरा 27 निर्माणाधीन बिल्डिंग बनाने के सामान के व्यापारी है लिम्बायत के गोडाडरा स्थित मिडास स्क्वेर की श्री प्लाइवुड नामक दुकान विजय का भाई हार्दिक चलाता है ।

10 अक्टूबर के रोज विजय अपने भाई की दुकान पर गया था ।

दुकानदार ने एम्रोइडरी कारोबारी को लगाया13.95 लाख का चूना

सूरत। दुकानदारों ने दलाल की मदद से एम्रोइडरी जोबवर्क के कारोबारि को 13 लाख 95 हजार का चूना लगाकर दुकान बंध कर फरार हो गए होने का मामला पुनागाव थाने में दर्ज हुए है । पुनागाव पुलिस के अनुसार पर्वत गांव के परषोतम नगर निवासी राजकुमार सींग शिवचंद सींग कुशवाहा 32 एम्रोइडरी जोबवर्क का कारोबार करते है, उस्मान नविवाला नामक कपड़ा दलाल ने पीडित के साथ मुलाकात की थी और कहाकि मेरेपास अच्छे व्यापारी है, उनका मजदूरी पर जोबवर्क करो गेतो दूसरे व्यापारियों से अच्छी मजदूरी देगे बाद कहा कि यह पार्टी मोटावराछा के सुदामाचोक स्थित रीवेरा हाइट्स निवासी रसिक छगन भाई वनपरिया,लालजी कानजी भाई ढोला तथा अल्पेश पटेल सहित दोनो व्यापारी रिंगरोड बेगमपुरा स्थित मिलन एम्पायर की दुकान नंबर जी/2 में गिनजा सीरीज के नामसे व्यापार करते है ,ठग दलाल की बातों में आकर पीड़ित ने उधारी में ठगों द्वारा दी गई साडियों पर एम्ब्रॉइडरी जोबवर्क किया था । तीनो ठग दुकानदारों ने समय सर मजदूरी के 13 लाख 95 हजार का भुगतान नही कर दुकान बंध कर फरार हो गए । हादसे के चलते पीड़ितों की शिकायत पर पुनागाव पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है

सूरत। जीवन भारती स्कूल नानपुरा में बुधवार को आईडेंटिटी स्कूल के बच्चों द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने केनवास पर विविध प्रकार के चित्रों को अंकित कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

आज होगा सेवा सेतु व गरीब कल्याण मेले का का आयोजन

सूरत। सूरत महानगर पालिका द्वारा प्रति माह सूरत शहर के विविध वीस्तार में प्रति माह सेवा सेतु के कार्य क्रम का आयोजन करती है । गुरुवार को मनपा द्वारा नानपुरा गांधी स्मृति होल में सेवा सेतु एवम गरीब कल्याण मेला का आयोजन किया है। मनपा महापौर अश्मित बेन सिरोया ने सेवा सेतु व गरीब कल्याण मेला की जानकारी देते हुए बताया कि इस माह येह कार्यकम नानपुर स्थित ग़ांधी समृति हॉल में रखा गया है। पहिली बार सेवा सेतु व गरीब कल्याण मेले का समनवई होने जा रहा है।इस कार्यकम का उद्घाटन राज्य कक्षा के मंत्री नानू भाई वानानि करने जा रहे है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं ताप्तीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com